



**Press Release: भाषा विवि में पीएचडी लिखित प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी**

**Date: 31/05/24**

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में पीएचडी के लिए लिखित प्रवेश परीक्षा का परिणाम वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है। अभ्यर्थी अपना परिणाम वेबसाइट से देख सकते हैं। बता दें कि ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ द्वारा पीएचडी के प्रवेश के लिए लिखित प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया था। जिसके अंतर्गत विभिन्न विषयों में अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा ली गई। जिसके उपरांत आपत्तियां भी मांगी गई थी। प्रवेश प्रक्रिया के इसी क्रम में लिखित परीक्षा में अर्ह अभ्यर्थियों की सूची भाषा विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। अभ्यर्थियों से आग्रह है कि वे अपनी लिखित प्रवेश परीक्षा का परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट [www.kmclu.ac.in](http://www.kmclu.ac.in) पर विजिट कर देख सकते हैं। पीएचडी प्रवेश परीक्षा से संबंधित और अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

## **خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں پی ایچ ڈی کا تحریری داخلہ امتحان کا نتیجہ جاری**

لکھنؤ، 31 مئی 2024: خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی لکھنؤ میں پی ایچ ڈی کے تحریری داخلہ امتحان کا نتیجہ ویب سائٹ پر جاری کر دیا گیا ہے۔ امیدوار ویب سائٹ سے اپنا نتیجہ دیکھ سکتے ہیں۔ یہ واضح رہے کہ یونیورسٹی نے پی ایچ ڈی میں داخلے کے لیے تحریری داخلہ امتحان 11 مئی 2024 کا انعقاد کیا گیا تھا جس کے تحت مختلف مضامین میں امیدواروں کا تحریری امتحان لیا گیا تھا۔ داخلے کے عمل کے اسی سلسلے میں تحریری امتحان میں کامیاب ہونے والے امیدواروں کی فہرست لینگویج یونیورسٹی کی ویب سائٹ پر جاری کر دی گئی ہے۔ امیدوار طلبہ یونیورسٹی کی پر جا کر اپنے تحریری داخلہ امتحان کا نتیجہ دیکھ سکتے ہیں۔ پی ایچ ڈی [www.kmclu.ac.in](http://www.kmclu.ac.in) ویب سائٹ ڈی کے داخلہ امتحان کے حوالے سے مزید معلومات کے لیے یونیورسٹی سے رابطہ کیا جا سکتا ہے۔

**Press Release: भाषा विश्वविद्यालय और सॉफ्टफ्लू टेक्नोलॉजीज के बीच हुआ समझौता**

**Date: 22/05/24**

प्रौद्योगिकी शिक्षा को उन्नति देने और छात्रों को प्रैक्टिकल अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और सॉफ्टफ्लू टेक्नोलॉजीज ने एक महत्वपूर्ण समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत, सॉफ्टफ्लू टेक्नोलॉजीज विश्वविद्यालय के छात्रों को वास्तविक परियोजनाओं में प्रैक्टिकल अनुभव प्रदान करेगी। इस साझेदारी



के माध्यम से, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के छात्रों को सॉफ्टफ्लू टेक्नोलॉजीज द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ प्राप्त होगा। ये कार्यक्रम छात्रों को वास्तविक औद्योगिक परियोजनाओं में काम करने का अवसर प्रदान करेंगे, जिससे उनके व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव में वृद्धि होगी। समझौते हस्ताक्षर समारोह के दौरान माननीय कुलपति प्रो. एन.बी. सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. भावना मिश्रा, एमओयू समन्वयक डॉ. नीरज शुक्ला और सुश्री साइमा अलीम उपस्थित रहे। सॉफ्टफ्लू टेक्नोलॉजीज की ओर से सीईओ सुश्री युसरा खान ने इस ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता विश्वविद्यालय के छात्रों के शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा, जिससे उन्हें औद्योगिक क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी बनने का अवसर मिलेगा।

### **خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی اور سافٹ فلو ٹیکنالوجی کے درمیان معاہدہ**

لکھنؤ 22 مئی 2024: خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی نے تکنیکی تعلیم کو فروغ دینے اور طلبہ کو عملی تجربہ فراہم کرنے کے لئے سافٹ فلو ٹیکنالوجی کے درمیان مفاہمت کے ساتھ (ایم او یو) پر دستخط کیا ہے۔ اس مفاہمت کے تحت طلبہ کو پروجیکٹس میں عملی تجربہ حاصل ہوگا جس کی وجہ سے طلبہ کو صنعتی منصوبوں میں کام کرنے کا موقع ملے گا اور یونیورسٹی کے طلبہ سافٹ فلو ٹیکنالوجی کے مختلف تربیتی پروگراموں سے فائدہ اٹھا سکیں گے جو طلبہ کی عملی زندگی میں آگے بڑھانے میں اہم کردار ادا کرے گا اس کے علاوہ ان کے علم اور تجربے میں بھی اضافہ ہوگا۔ اس تاریخی معاہدے سے صنعتی شعبے کے طلبہ کو پیشہ وارانہ مہارت حاصل ہوگی بلکہ اس مہارت کو بہتر استعمال کر کے اپنے صنعتی منصوبوں کو کامیاب بنانے کے ہنر سے بھی واقفیت ہوگی۔ اس مفاہمت نامے پر دستخط کے موقع پر یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر این بی سنگھ، رجسٹرار ڈاکٹر بہاونا مشرا، کوارڈینیٹر ڈاکٹر نیرج شکلا اور صائمہ علیم اور سافٹ فلو ٹیکنالوجی کی جانب سے یسریٰ خان موجود تھیں۔



**Press Release : उर्दू भाषा में स्नातक छात्रों के लिए कैरियर मार्गदर्शन पर एक कार्यक्रम का आयोजन**

**Date: 16/05/24**

छात्रों को भाषा और साहित्य के अलावा इन विषयों का भी अध्ययन करना चाहिए जो नौकरी पाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं: प्रोफेसर फखरे आलम

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में बीए अंतिम सेमेस्टर के छात्रों के कैरियर विकास के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, ताकि उन्हें भविष्य आधारित और उचित सलाह दी जा सके छात्र अपने कैरियर और भविष्य को लेकर चिंतित और झिझक रहे हैं, तो उन्हें बेहतर मार्गदर्शन दिया जा सकता है क्योंकि अधिकांश छात्रों के पास कम जानकारी और कम जागरूकता होती है, लेकिन इस संबंध में प्रोफेसर फखरे आलम ने अपने छात्रों से कहा कि उन्हें ऐसा करना चाहिए एमए ताकि उच्च शिक्षा के रास्ते खुल सकें और रोजगार भी आसान हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि उर्दू भाषा और साहित्य में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए एमए की शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है, ताकि उनकी देखरेख में साहित्यिक और काव्य प्रशिक्षण हो सके। शिक्षकों का कार्य बेहतर तरीके से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी इस मुकाम पर तभी पहुंच सकते हैं जब वे पढ़ाई को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बना लें। उन्होंने आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में अग्रणी और प्रतिष्ठित होने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले ज्ञान और बुद्धि को आवश्यक बताते हुए कहा कि छात्रों को भाषा और साहित्य के अलावा उन विषयों का भी अध्ययन करते रहना चाहिए जो नौकरी पाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। प्रोफेसर सोबान सईद ने अपने व्याख्यान में छात्रों को उन बिंदुओं के बारे में जानकारी दी जिनका उपयोग करके करियर को उज्ज्वल और भविष्य के करियर के लिए उपयोगी बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के प्रत्येक स्तर की आवश्यकताएं अलग-अलग हैं और यदि छात्रों को इसकी जानकारी नहीं होगी तो उनकी मेहनत को अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे। इस अवसर पर प्रोफेसर शफीक अशरफी ने कहा कि पाठ्यक्रम के संपादन में एम.ए.के छात्रों में भाषा और साहित्य की उचित समझ विकसित करने के लिए लिया गया। पाठ के सही पढ़ने और उसके अर्थ तक पहुंच तभी प्राप्त की जा सकती है जब भाषा की बारीकियों और साहित्य के रचनात्मक आयामों से परिचित हों। अन्य विज्ञानों का अच्छा ज्ञान भी छात्रों को जीवन में सफल होने में मदद करता है। इस मौके पर बीए के कुछ छात्रों ने अपने करियर के लिए विषयों के चयन और भविष्य में संभावनाओं को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं, जिस पर कार्यक्रम में शिक्षकों ने इन चिंताओं का समाधान किया इस प्रोग्राम में डॉ. अकमल शादाब डॉ. मुनव्वर हुसैन, डॉ. मूसी रजा और डॉ. सिद्धार्थ सुदीप ने भाग लिया। अंत में डॉ. मुनव्वर हुसैन ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में शिक्षा और सीखने



से संबंधित जो बातें बताई गई हैं, अगर छात्र उन्हें गंभीरता से अपने व्यावहारिक जीवन का हिस्सा बना लें तो सफलता की राह आसान हो जाएगी।

**ردو زبان میں گریجویٹ طلبہ کے لئے کیریئر کے انتخاب سے متعلق رہنمائی پر ایک پروگرام کا انعقاد**

طلبہ زبان و ادب کے علاوہ ان مضامین کا مطالعہ بھی کرتے رہیں جو ملازمت کے حصول کی راہ ہموار کرتے ہیں: پروفیسر فخر عالم

لکھنؤ، 16 مئی 2024: خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کے شعبہ ُ اردو میں بی اے آخری سیمسٹر کے طلبہ کی کیریئر سازی کے تحت ایک پروگرام کا انعقاد کیا گیا تھا۔ اس پروگرام میں شعبہ کے اساتذہ نے طلبہ سے ان کے مستقبل کے لائحہ عمل کے بارے میں جاننے کی کوشش کی تاکہ ان کو مستقبل اساس اور مناسب مشورہ دیا جاسکے اور اگر طلبہ اپنے کیریئر اور مستقبل کو لے کر شش و پنج اور تذبذب میں مبتلا ہوں تو ان کی بہتر رہنمائی کی جاسکے کیونکہ بیشتر طلبہ ناقص معلومات اور کم آگاہی کی بنا پر غلط مضامین کا انتخاب کر لیتے ہیں۔ اس سلسلے میں پروفیسر فخر عالم نے اپنے طلبہ سے کہا کہ اردو طلبہ کو ایم اے ضرور کرنا چاہیے تاکہ اعلیٰ تعلیم کے لئے راہیں کھل سکیں اور روزگار کی فراہمی میں بھی آسانی پیدا ہوسکے۔ انہوں نے یہ بھی کہا کہ اردو زبان و ادب سے دلچسپی رکھنے والے طلبہ کے لئے ایم اے کی تعلیم نہایت ضروری ہے تاکہ اساتذہ کے زیرنگرانی ادبی و شعری تربیت بہتر طریقے سے ہوسکے۔ انہوں نے کہا کہ طلبا اس مرحلے کو اسی وقت طے کر سکتے ہیں جبکہ وہ مطالعے کو اپنی روزمرہ زندگی کا جزو بنائیں۔ عہد حاضر کی مسابقتی دنیا میں نمایاں اور سرخرو رہنے کے لیے علم و دانش کے اعلیٰ معیار کو ضروری قرار دیتے ہوئے انہوں نے کہا کہ طلبا زبان و ادب کے علاوہ ان مضامین کا مطالعہ بھی کرتے رہیں جو ملازمت کے حصول کی راہ ہموار کرتے ہیں۔ پروفیسر ثوبان سعید نے اپنی گفتگو میں مستقبل اساس کیریئر کے لئے طلبا کو ان نکات سے آگاہ کیا جن کی مدد سے کیریئر کو روشن اور کار آمد بنایا جا سکتا ہے۔ انہوں نے کہا کہ ہر سطح کی تعلیم کے تقاضے مختلف ہوتے ہیں اور طلبا اگر اس سے ناواقف ہوں تو ان کی محنت کا وہ ثمر حاصل نہیں ہو پاتا جس کی انہیں توقع ہوتی ہے۔ اس موقع



परिप्रोफिसर शफीक अशरफی نے کہا کہ ایم اے کے نصاب کی تدوین میں اس بات کا خیال رکھا جاتا ہے کہ طلبہ کے اندر زبان و ادب کی صحیح سمجھ پیدا ہو سکے۔ متن کی صحیح قرأت اور اس کے مفہوم تک رسائی اسی وقت حاصل ہو سکتی ہے جب زبان کی نزاکتوں اور ادب کی تخلیقی جہتوں سے واقفیت ہو۔ انہوں نے یہ بھی کہا کہ اردو مضمون میں ایم اے کرنے کے ساتھ ساتھ تاریخ، جغرافیہ، سائنس اور دیگر علوم کے علاوہ سے بھی بخوبی واقفیت طلبا کو زندگی میں کامیابی عطا کرنے میں مددگار ثابت ہوتی ہے۔ اس موقع پر بی اے کے کچھ طلبہ نے اپنے کیریئر کے لئے مضامین کے انتخاب اور مستقبل میں اس کے امکانات پر خدشات کا اظہار کیا جس پر اساتذہ نے ان خدشات کا ازالہ کیا۔ اس پروگرام میں ڈاکٹر اکمل شاداب، ڈاکٹر اعظم انصاری، ڈاکٹر ظفر النقی، ڈاکٹر منور حسین، ڈاکٹر موسیٰ رضا اور ڈاکٹر سدھارتھ سدھیپ نے شرکت کی۔ آخر میں ڈاکٹر منور حسین نے سبھی کا شکریہ ادا کرتے ہوئے کہا کہ اس پروگرام میں تعلیم و تعلم سے متعلق جن باتوں کی طرف اشارہ کیا گیا ہے اگر انہیں طلبا سنجیدگی سے اپنی عملی زندگی کا حصہ بنالیں تو کامیابی کے حصول کی راہ آسان ہو جائے گی۔

**Press Release: भाषा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने इंजीनियरिंग के क्षेत्र में किए अभिनव प्रयोग**

**Date: 02/05/24**

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों द्वारा तकनीकी के क्षेत्र में नए अभिनव प्रयोग किए जा रहे हैं। बतादे की भारत सरकार की स्टार्टअप योजनाओं जैसे विभिन्न आयामों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी श्रृंखला में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अन्तिम वर्ष के छात्र हिरदेश, प्रियांशु और तनिष्का ने "डायनेमिक वायरलेस ई-वाहन चार्जिंग पथ " का एक मॉडल तैयार किया है, छात्रों ने बताया कि यह एक नई और प्रगतिशील ऊर्जा प्राप्ति का तरीका है जिससे वाहनों को चार्ज करने के लिए रोड पर रखे चार्जिंग पैड का उपयोग किया जाता है। यह चार्जिंग पैड वाहनों को बिना रुके चार्ज करने की सुविधा प्रदान करता है, जो यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाता है। वायरलेस ई-वाहन चार्जिंग की तकनीक कई वाहनों के लिए उपयोगी हो सकती है। इसमें कार, बस, ट्रक, शामिल हो सकते हैं। यह तकनीक वाहनों को बिना तार और प्लग के चार्ज करने की सुविधा प्रदान करती है। इससे वाहनों को चार्ज करना आसान होता है और यात्रा के दौरान भी चार्जिंग कर सकते हैं। विद्यार्थियों ने यह भी बताया की आज वायरलेस ई-वाहन चार्जिंग के



वाहनों को चार्ज करने के लिए रोड पर रखे चार्जिंग पैड का उपयोग करके वाहनों को बिना रुके चार्ज किया जा सकता है। और वाहनों को चार्ज करने के लिए अलग-अलग चार्जिंग स्टेशन ढूंढने की जरूरत नहीं होती है, जो यात्रा का समय बचाता है। साथ ही वायरलेस ई-वाहन चार्जिंग वाहनों के लिए एक स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है, जो प्रदूषण को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा चार्जिंग पैड वाहनों को चार्ज करने के लिए वायर या केबल की जरूरत नहीं होती है, जिससे वाहन और यातायात प्रणाली को प्रभावी बनाती है। वाहन के नीचे एक चार्जिंग पैड होता है जो वायरलेस ऊर्जा का उपयोग करके वाहन को चार्ज करता है। इस प्रोजेक्ट के सुपरवाइजर ई. अभिषेक अवस्थी तथा ई सलमान अंसारी ने बताया कि इस तरह के रोड भविष्य में बनाए जायेंगे तथा इस प्रोजेक्ट पर अभी और रिसर्च हो रहा है। भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो नरेंद्र बहादुर सिंह ने सभी छात्रों को बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इंजिनियरिंग विभाग के प्रभारी निदेशक प्रो सैयद हैदर अली, ई कौशलेष शाह और ई आस्था चौरसिया ने सभी छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

## लिंग्वायिज यूनियोरसٹی کے انجینئرنگ شعبے کے طلبہ نے "ڈائनिमک وائरليس ای وبیکल चार्जिंग पातھ" ڈیوائس بنایا

اس ڈیوائس سے گاڑیوں کو تاروں اور پلگ کے بغیر چارج کرنا ہوا ممکن

لکھنؤ، 2 مئی: خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی لکھنؤ کے انجینئرنگ کے طلبہ ٹیکنالوجی کے میدان میں حکومت ہند کی اسٹارپ اپ اسکیموں کے فروغ کے تحت نئے تجربات کر رہے ہیں۔ اسی سلسلے میں خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی لکھنؤ کے شعبہ سول انجینئرنگ کے فائنل ایئر کے طالب علم ہریش، پریشو اور تنیشکانے "ڈائنیمک وائریس ای وبیکل چارجنگ پاٹھ" کا ماڈل تیار کیا ہے۔ اس ماڈل کے حوالے سے گفتگو کرتے ہوئے طلبہ نے بتایا کہ یہ ایک نیا اور کارآمد ماڈل ہے اس کے ذریعے سے سڑک پر چلنے والی سبھی گاڑیوں کو آسانی چارج کیا جاسکتا ہے۔ اس چارجنگ پیڈ میں ہر طرح کی گاڑیوں کو مستقل چارج کرنے کی صلاحیت موجود ہے جو سفر کو محفوظ اور آسان بناتا ہے۔ وائریس ای وبیکل چارجنگ کی ٹیکنالوجی کی سب سے بڑی خوبی یہ ہے کہ یہ بغیر تاروں اور پلگ کے گاڑیوں کو چارج کرنے کی سہولت فراہم کرتی ہے۔ اس سے گاڑیوں کو چارج کرنا آسان ہو جاتا ہے اور سفر کے دوران بھی چارج کیا جاسکتا ہے۔ طلبہ



ने ये भी बताया कि कहीं भी सड़क पर रकहे गئے चार्जिंग पीडुंर का अस्तेमाल करके गाड़ियों को बगिर रके चार्ज किया जा सकता है किऑनके अस पीडुंर को बआसानी अिक जगे से दुसरी जगे ऑनतेल किया जासकता है और अस का फाँडे ये हुगा के अब गाड़ियों को चार्ज करने के लीे ऑखतल चार्जिंग अस्ठीशन तलश करने की सुरुरत नहीं पडुंरै गी जस से सुफर में कूी तरह की रऑमतुं से बचा जासकता है--

मरिद बर आँऑरलिस अी वुडुकेल चार्जिंग गाड़ियों के लीे सव तूऑनानी का डुरीे है जो आुदगी को कम करने में मदद करता है- अस के आलूे चार्जिंग पीडुंर को गाड़ियों को चार्ज करने के लीे तारुं या कीलुंर की सुरुरत नहीं पडुंरती जस से गाड़ुी और ठुरानसुपूरठीशन का नुऑम मुऑर हु जाता है- गाड़ुी के नीचे अिक चार्जिंग पीडुंर है जो वऑरलिस तूऑनानी के डुरीे गाड़ुी को चार्ज करता है- अस डुरोजिकऑ के नुगरां अी अबुीशुक अुसुथी और सुलमान अंसारी ने कहा के अस तरह के डुरोजिकऑ डुर मरिद तऑकुक की सुरुरत है- लीनुगुीज ऑनुऑरसुठी के वऑस ऑानसुलर डुरुफुीसर नरुनुदर डुहार सुनुगे ने तमल डुलुे को डुबारकड डी और अं के रुशन सुसुतेल के लूे डुऑनीं डुी-अस के साथुे डी अंजुनुंरनुग डुडुीरतुंऑ के डुऑरुीकऑर अंचार ज डुरुफुीसर सुीद ऑुदर अली, डुऑकऑर कुशलुीश शाह और अंजुनुंर आसुता ऑुर सुीा ने डुलुे को डुबारकड डी

**Press Release: भाषा विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में हुआ विदाई समारोह का आयोजन Date: 01/05/24**

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में एम.ए अंतिम वर्ष और बी.ए अंतिम वर्ष के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उर्दू विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर फखरे आलम ने की. उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में एम.ए और बी.ए अंतिम वर्ष के छात्रों एवं छात्राओं के बेहतर और उज्ज्वल भविष्य की आशा व्यक्त की और कहा कि ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया जीवन भर जारी रहती है. और एक जागरूक विद्यार्थी वह है जो न केवल इस रिश्ते को कायम रखता है बल्कि जीवन के विभिन्न कालखंडों और चरणों में आवश्यकता अनुसार इसका पर्याप्त उपयोग भी करता है। प्रोफेसर फखर आलम ने कहा कि हर इंसान में कुछ क्षमताएं होती हैं जो उसे अद्वितीय बनाती हैं और शिक्षा उसे इस विशिष्टता की खोज करने और जीवन में अपनी क्षमता का उपयोग करने की जागरूकता प्रदान करती है। इस अवसर पर प्रोफेसर सोबान सईद ने एम.ए फाइनल के विद्यार्थियों को विशेष रूप से संबोधित करते हुए कहा कि अब वे शैक्षणिक जीवन के उस चरण में प्रवेश कर रहे हैं जहां उचित निर्णय की आवश्यकता है क्योंकि यह भविष्य आधारित निर्णय न केवल आपके करियर पथ को



प्रभावित करेगा बल्कि व्यावहारिक जीवन में समस्याओं का भी समाधान करेगा उन्होंने यह भी कहा कि हम यहाँ से जाने वाले छात्रों से उम्मीद करते हैं कि वे जहाँ भी जाएंगे, संस्थान के नाम के साथ अपना नाम भी लेकर जाएंगे। इस कार्यक्रम में एम.ए और बी.ए अंतिम वर्ष के छात्रों ने अपने विचार रखे। इन छात्रों ने विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में अपने अनुभवों का जिक्र किया और कहा कि यहाँ बिताया गया उनका समय जीवन की ऐसी मूल्यवान पूंजी है जो उन्हें जीवन भर धन की अनुभूति से जोड़े रखेगा। इन छात्रों ने यह भी कहा कि यहाँ के शिक्षकों के माध्यम से उन्हें भाषा और साहित्य का जो ज्ञान और समझ प्राप्त हुई है, उससे उन्हें जीवन का ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिलेगी। एम.ए अंतिम वर्ष के छात्रों ने विश्वविद्यालय और उर्दू विभाग के शिक्षकों को उनके प्यार और करुणा के लिए धन्यवाद दिया, जिन्होंने उन्हें हर कदम पर प्रोत्साहित किया और ज्ञान की खोज में उनका मार्गदर्शन किया। बी.ए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने भी शिक्षकों के प्रति अपनी सराहना और कृतज्ञता व्यक्त की और इन विद्यार्थियों ने अपने अनुभव बताते हुए कहा कि जिस प्रकार का शैक्षिक माहौल हमें यहाँ मिला उसे हम जीवन भर नहीं भूल पाएंगे और साथ ही यहाँ भाषा और साहित्य की बारीकियों को समझ पैदा हुई, सैयदा फातिमा जहरा, आकेफा खातून, मुहम्मद शाहान और मुहम्मद हारून ने प्रमुख और प्रसिद्ध उर्दू कवियों की कविताओं और गज़लों का पाठ किया और कार्यक्रम को दिलचस्प बना दिया। एम.ए अंतिम वर्ष के छात्र अब्दुल नईम ने अपनी रची हुई ग़ज़ल और विदाई कविता के रूप में सुनाया जिसे खूब सराहा गया। इस कार्यक्रम का आयोजन अब्दुल कादिर ने किया था. मुहम्मद आफताब ने शिक्षकों और छात्रों को धन्यवाद दिया। इस विदाई समारोह में डॉ. अकमल शादाब, डॉ. वसी अहमद अंसारी, डॉ. ज़फरुन नकी, डॉ. मुनव्वर हुसैन, डॉ. सिद्धार्थ सुदीप और डॉ. मूसी रजा ने भाग लिया और छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

### لینگویج یونیورسٹی کے شعبہ اردو میں الوداعی تقریب کا انعقاد

لکھنؤ، 01 مئی: خواجہ معین الدین لینگویج یونیورسٹی کے شعبہ اردو میں ایم اے سال آخر اور بی اے سال آخر کے لیے الوداعی تقریب کا انعقاد کیا گیا۔ اس تقریب کی صدارت پروفیسر فخر عالم صدر شعبہ اردو نے کی۔ انہوں نے اپنی صدارتی تقریر میں ایم اے اور بی اے سال آخر کے طلبہ کے بہتر اور منور مستقبل کی امید ظاہر کرتے ہوئے کہا کہ علم کے حصول کا سلسلہ پوری زندگی جاری رہتا ہے اور ایک باشعور طالب علم وہی ہے جو اس سلسلے کو نہ صرف یہ کہ برقرار رکھے بلکہ زندگی کے مختلف ادوار اور مراحل کے تقاضوں کی مناسبت سے اس سے خاطر خواہ استفادہ بھی کرے۔ پروفیسر فخر عالم نے کہا کہ ہر انسان کے اندر کوئی نہ کوئی ایسی صلاحیت ضرور





ہوتی ہے جو اسے منفرد بناتی ہے اور تعلیم انسان کو یہ شعور عطا کرتی ہے کہ وہ اس انفرادیت کو دریافت کر سکے اور اپنی صلاحیت کو بروئے کار لاتے ہوئے زندگی میں کامیابی کے مدارج طے کر سکے۔ اس موقع پر پروفیسر ثوبان سعید نے خصوصی طور پر ایم۔ اے فائنل کے طلبہ سے خطاب کرتے ہوئے کہا کہ اب تعلیمی زندگی کے اس مرحلے میں داخل ہو رہے ہیں جہاں مناسب فیصلے کی ضرورت ہوتی ہے کیونکہ یہ مستقبل اساس فیصلہ نہ صرف آپ کے کیریئر کی راہ کو متعین کرتا ہے بلکہ عملی زندگی کے مسائل کو بھی حل کرتا ہے۔ انہوں نے یہ بھی کہا کہ وداع ہونے والے طلبہ سے ہم یہ توقع رکھتے ہیں کہ وہ جہاں بھی جائیں گے وہ اپنے حسن عمل سے اپنے نام کے ساتھ ادارے کا نام بھی اروشن کریں گے۔ اس تقریب میں ایم اے اور بی اے سال آخر کے طلبہ نے اپنے تاثرات پیش کیے۔ ان طلبہ نے یونیورسٹی کے شعبہ اردو میں اپنے تجربات کا ذکر کرتے ہوئے کہا کہ یہانگزر ا ہوا ان کا وقت زندگی کا ایسا بیش قیمتی سرمایہ ہے جو انہیں تمام عمر ثروت مندی کے احساس سے سرشار رکھے گا۔ ان طلبہ نے یہ بھی کہا کہ زبان و ادب کی تفہیم کا جو سلیقہ اور شعور یہاں کے اساتذہ کے توسط سے انہیں حاصل ہوا ہے وہ زندگی کا عرفان حاصل کرنے میں ان کی معاونت کرے گا۔ اس کے ساتھ ایم اے سال آخر کے طلبہ نے یونیورسٹی اور شعبہ ُ اردو کے اساتذہ کا شکریہ ادا کیا کہ ان کی محبتوں اور شفقتوں نے ہر قدم پر ان کی حوصلہ افزائی اور حصول علم کے مراحل کو سر کرنے میں ان کی رہنمائی کی۔ بی اے سال آخر کے طلبہ نے بھی اپنے تاثرات پیش کرتے ہوئے اساتذہ کے تئیں ممنونیت اور شکر گزاری کا اظہار کیا اور ان طلبہ نے اپنے تجربات کو بیان کرتے ہوئے کہا کہ جس طرح کا تعلیمی ماحول ہمیں یہاں ملا ہے اسے ہم لوگ زندگی بھر فراموش نہیں کر سکتے یہاں آکر زبان و ادب کی باریکیوں کو جاننے اور سمجھنے کا موقع ملا۔ سیدہ فاطمہ زہرا، عاکفہ خاتون، محمد شاہان اور محمد ہارون نے اردو کے ممتاز اور معروف شاعروں کی نظمیوں اور غزلیوں سنائیں اور تقریب کو دلچسپ بنایا۔ ایم اے سال آخر کے طالب عبدالنعیم نے اپنی ایک غزل اور الوداعی نظم کی صورت میں اپنا کلام سنایا جس کی خاصی پذیرائی ہوئی۔ اس تقریب کی نظامت عبدالقادر نے کی۔ اساتذہ اور طلبہ کا شکریہ محمد آفتاب نے ادا کیا۔ اس الوداعی تقریب میں ڈاکٹر اکمل شاداب، ڈاکٹر وصی احمد انصاری، ڈاکٹر ظفر النقی، ڈاکٹر منور حسین، ڈاکٹر موسیٰ رضا اور ڈاکٹر سدھارت سدھیپ نے شرکت کی اور طلبہ کی حوصلہ افزائی کی